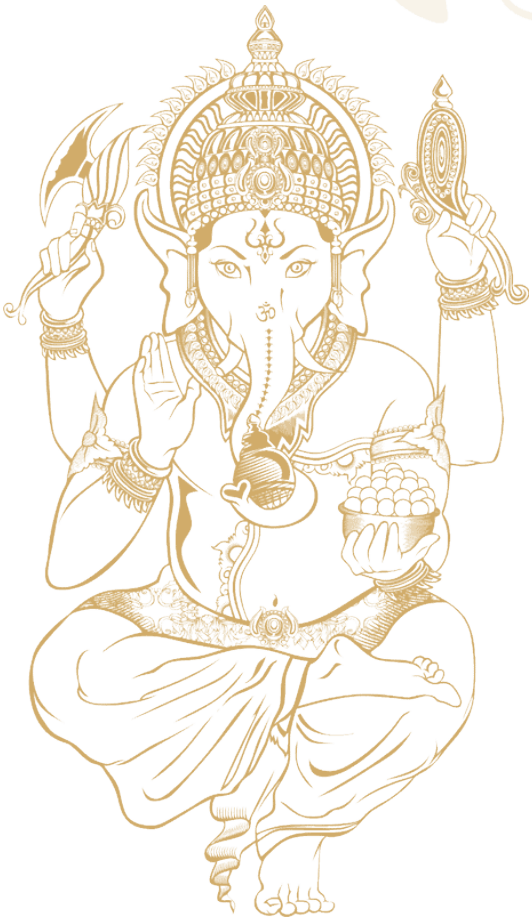

Rajat

Komal

Model: Love-Horoscope

Order No: 119707001

Model: Love-Horoscope

Order No: 119707001 Date: 08/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25-26/05/2000	जन्म तिथि	15/06/2004
गुरु-शुक्रवार	दिन	मंगलवार
घंटे 04:15:00	जन्म समय	22:15:00 घंटे
घटी 56:57:43	जन्म समय(घटी)	42:05:34 घटी
India	देश	India
Sangrur	स्थान	Sangrur
30:14:00 उत्तर	अक्षांश	30:14:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:27:54	सूर्योदय	05:24:46
19:20:14	सूर्यास्त	19:29:39
23:51:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:58
मेष	लग्न	मकर
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	शनि
कुम्भ	राशि	वृष
शनि	राशि-स्वामी	शुक्र
धनिष्ठा	नक्षत्र	कृतिका
मंगल	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
4	चरण	4
ऐन्द्र	योग	धृति
बव	करण	विष्टि
गे-गेंदा	जन्म नामाक्षर	ए-ऐश्वर्या
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	चतुष्पाद
सिंह	योनि	मेष
राक्षस	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	गरूड़

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 0वर्ष 10मा 27दि		18:53:48	मेष	लग्न		मक	13:56:16	सूर्य 1वर्ष 1मा 3दि	
गुरु		11:08:39	वृष	सूर्य		मिथु	00:58:59	राहु	
23/04/2019		04:56:02	कुंभ	चंद्र		वृष	07:34:22	20/07/2022	
23/04/2035		21:30:20	वृष	मंगल		कर्क	00:56:08	19/07/2040	
गुरु	11/06/2021	29:12:26	वृष	बुध		वृष	27:01:40	राहु	01/04/2025
शनि	23/12/2023	28:13:36	मेष	गुरु		सिंह	17:28:04	गुरु	25/08/2027
बुध	30/03/2026	06:40:46	वृष	शुक्र	व	वृष	19:37:51	शनि	01/07/2030
केतु	06/03/2027	28:31:09	मेष	शनि		मिथु	19:57:51	बुध	18/01/2033
शुक्र	04/11/2029	01:59:41	कर्क	राहु	व	मेष	16:42:39	केतु	05/02/2034
सूर्य	23/08/2030	01:59:41	मक	केतु	व	तुला	16:42:39	शुक्र	05/02/2037
चन्द्र	23/12/2031	26:57:58	मक व	हर्ष	व	कुंभ	12:52:11	सूर्य	31/12/2037
मंगल	28/11/2032	12:38:01	मक व	नेप	व	मक	21:15:19	चन्द्र	02/07/2039
राहु	23/04/2035	17:51:59	वृश्चि व	प्लूटो	व	वृश्चि	26:52:40	मंगल	19/07/2040

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:51:29 चित्रपक्षीय अयनांश 23:54:58

लग्न-चलित

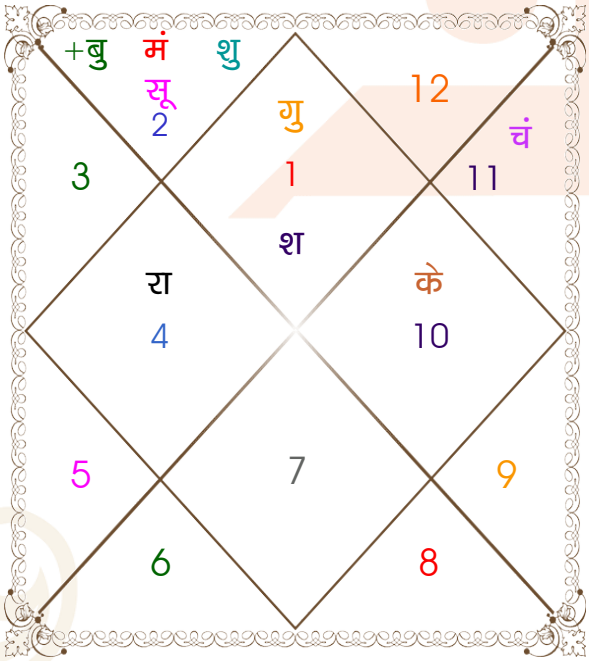

लग्न-चलित

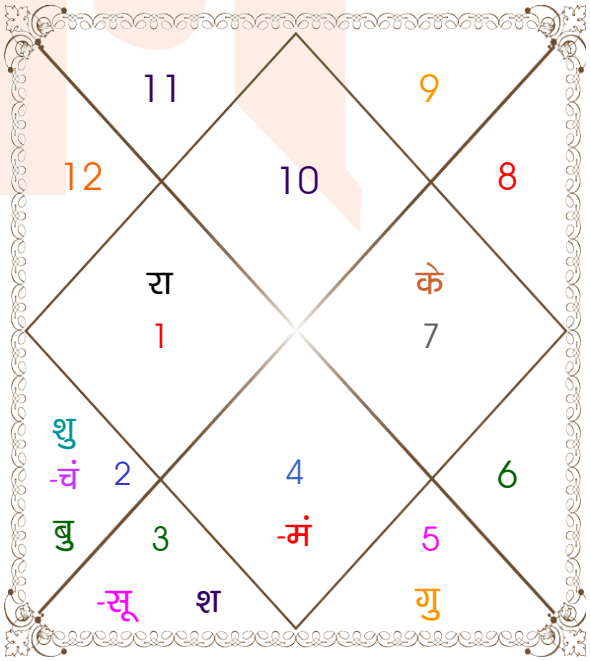

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मेष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

कुल : **29.5 / 36**

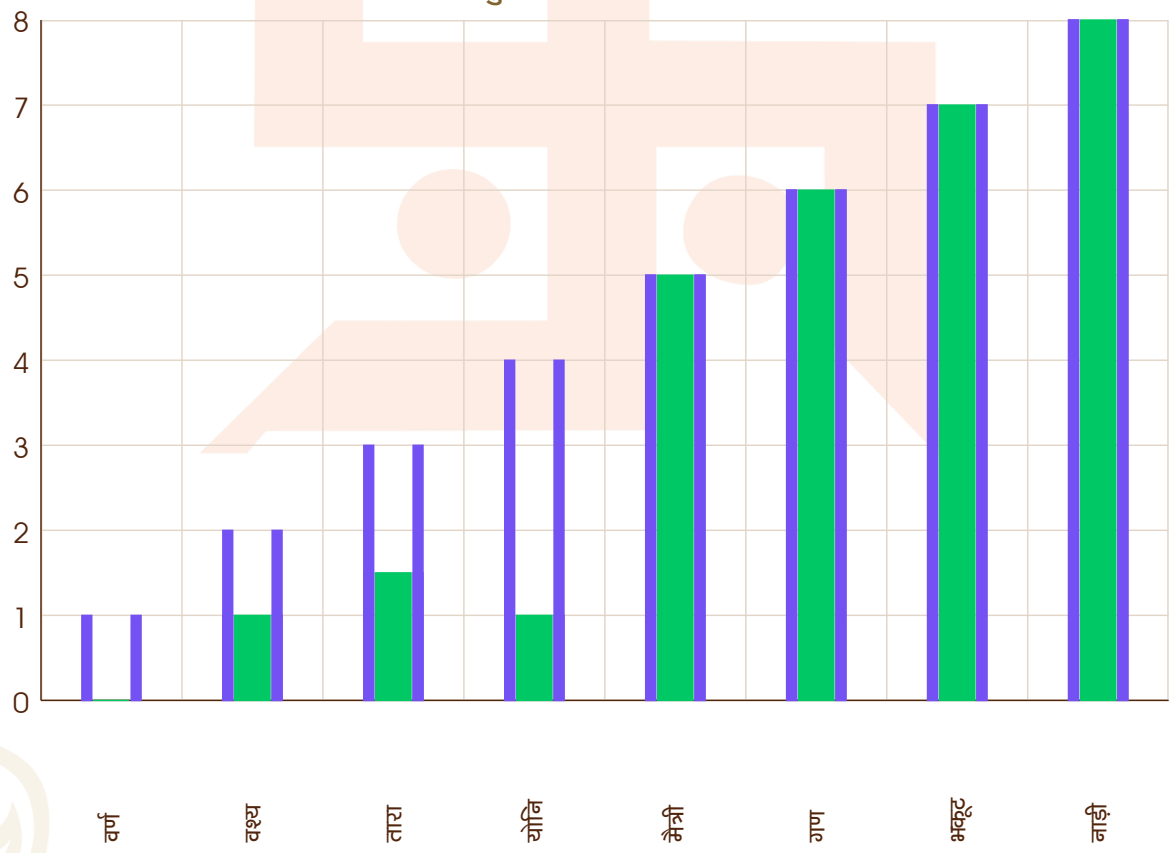

अष्टकूट मिलान

त्रंज का वर्ग मार्जार है तथा Komal का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार त्रंज और Komal का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

त्रंज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Komal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Komal कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्ध्;थ्डत्मजतवह;0ब्द्धझ0ब्द्धझ क्योंकि मंगल Komal कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रंज तथा Komal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

त्रंज का वर्ण शूद्र है तथा Komal का वर्ण वैश्य है। क्योंकि Komal का वर्ण त्रंज के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Komal अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह Komal अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

त्रंज का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Komal का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप त्रंज एवं Komal दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Komal अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में त्रंज अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

त्रंज की तारा विपत तथा Komal की तारा मित्र है। त्रंज की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। त्रंज एवं त्रंज के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Komal हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Komal को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

त्रंज की योनि सिंह है तथा Komal की योनि मेष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति

को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में त्रंज एवं Komal दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि त्रंज एवं Komal के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण त्रंज एवं Komal जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

त्रंज का गण राक्षस है तथा Komal का गण भी राक्षस है। अर्थात Komal का गण त्रंज के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण त्रंज एवं Komal दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

त्रंज से Komal की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Komal से त्रंज की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण त्रंज परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Komal घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

त्रंज की नाड़ी मध्य है तथा Komal की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण त्रंज एवं Komal के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

त्रंज की जन्म राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा Komal की पृथ्वी तत्व युक्त वृष राशि है। इसके प्रभाव से त्रंज और Komal के मध्य स्वभावगत असमानताएं अधिक होंगी। अतः संबंधों में सामान्यतया मधुरता नहीं रहेगी जिससे वैवाहिक जीवन सुखमय नहीं रहेगा। अतः यह मिलान अनुकूल नहीं रहेगा।

त्रंज की राशि का स्वामी शनि तथा Komal की राशि का स्वामी शुक्र दोनों परस्पर मित्र राशियों में स्थित है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति शुभ रहेगी। इसके प्रभाव से त्रंज और Komal के मध्य प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख तथा सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे इससे परस्पर संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

त्रंज और Komal की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के प्रति आत्मिक लगाव रहेगा। साथ ही सहअस्तित्व एवं स्वतंत्रता का भी परस्पर सम्मान करेंगे जिससे आपस में पूर्ण विश्वसनीयता रहेगी। ये सभी तथ्य सुखी दाम्पत्य जीवन के अनुकूल है। अतः इनका जीवन सुखमय रहेगा।

त्रंज का वश्य मानव तथा Komal का वश्य चतुष्पद है। मानव एवं चतुष्पद में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा। तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं अलग रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे। अतः परस्पर सामंजस्यपूर्ण व्यवहार रखना चाहिए।

त्रंज का वर्ण शूद्र तथा Komal का वर्ण वैश्य है। अतः इसके प्रभाव से त्रंज की प्रवृति किसी भी कार्य को परिश्रम तथा ईमानदारी से करने की रहेगी जबकि Komal धनार्जन में विशेष रूचि रखेंगी तथा धन को ही जीवन में विशेष महत्व प्रदान करेंगी। अतः इनमें यदा कदा मतभेद हो सकते है।

धन

त्रंज और Komal दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

त्रंज की नाड़ी मध्य तथा Komal की नाड़ी अन्त्य है अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्यतया स्वास्थ्य अनुकूल ही रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से त्रंज का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे वह रक्त तथा पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं हृदय रोग से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही दाम्पत्य जीवन में संभोग शक्ति की अल्पता का भी आभास होगा जिससे जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न होगी। अतः मंगल के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रहने के लिए त्रंज को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के व्रत भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से त्रंज और Komal का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त त्रंज और Komal के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Komal के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Komal को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Komal को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से त्रंज और Komal सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार त्रंज और Komal का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Komal के अपनी सास के साथ संबधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से Komal को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। Komal भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से Komal को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय

जीतने के लिए Komal उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी Komal के मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का Komal के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

त्रंज तथा सास के संबधों में विशेष मधुरता का भाव नहीं रहेगा तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण दोनों के मध्य वैचारिक मतभेद रहेंगे लेकिन इनमें अधिक गंभीरता नहीं रहेगी। यदि त्रंज तथा इनकी सास आपसी सामंजस्य तथा बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों की मधुरता में वृद्धि हो सकती है।

लेकिन ससुर के साथ में त्रंज के संबध मधुर रहेंगे तथा उनके प्रति मान सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगा। साथ ही उनसे पिता के समान ही व्यवहार करेंगे। साथ ही वे भी त्रंज को पुत्रवत स्नेह तथा वात्सल्य प्रदान करेंगे। त्रंज समय समय पर अपने ससुर से आवश्यक तथा बहुमूल्य सलाह तथा निर्देश भी प्राप्त करते रहेंगे परन्तु साले तथा सालियों के साथ में संबधों में तनाव तथा मतभेद रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा जिससे आपस में स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से ससुरालवालों का दृष्टिकोण त्रंज के प्रति अनुकूल ही रहेगा।

लग्न फल

Rajat

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह ज्ञात हो रहा है कि आपका जन्म मेष लग्न में अर्थात् जब मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था उस समय भरणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या राशि के नवमांश एवं सिंह राशि के द्रेष्काणा में हुआ था। परिणामस्वरूप यह स्पष्ट हो रहा है कि आप महान भाग्यशाली हैं। प्रसन्नता का विषय यह है कि जब कभी भी संयोग प्राप्त हो मुख्य रूप से लाटरी के टिकट प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त करें ताकि आप शीघ्र ही धनवान बन सकें। अन्यथा परिणाम स्वरूप आप निर्विध्न आराम देह एवं आनंददायक जीवन व्यतीत करने के लिए प्रर्याप्त (धन) आय के अतिरिक्त साधन प्राप्त करें ताकि आपका सुखमय जीवन विलास-प्रियता से व्यतीत हो सके।

आप शरीर से दुबले (कृशकाय) कद के मांसल एवं हृष्ट-पुष्ट शरीर वाले संयमी प्राणी हैं। आपकी उन्नत ललाट, सुंदर और आकर्षक आंखे आपके व्यक्तित्व को अपेक्षाकृत सौंदर्य प्रदान कर रहा हैं। यह संभव है कि आपके मस्तक पर कोई पुराने चोट या घाव के चिह्न हों। आपकी संपूर्ण व्यक्तित्व सुंदर और आकर्षक है, जो मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति सुंदरता का केंद्र है। यह संभव है कि आप कामी नारी के आकर्षण में दिशाहीन होकर अपने शयन कक्ष के अतिरिक्त कहीं बाहर कामोत्तक आनंद प्राप्ति का पता लगाकर आनंद ले तो अन्य नारी के साथ संभोग के परिणाम स्वरूप यौन संबंधी रोग अर्थात् यौन रोग का शिकार हों। ऐसी संभावना है।

आप अपनी वाचाल प्रवृत्ति के प्रभाव से किसी भी विषय पर अपना मंतव्य प्रकट कर देते हैं, जो आवश्यक नहीं है। यह प्रवृत्ति आपकी मेधावीपना की औसत से अधिक है। फिर भी सदैव ही आप बात-चीत कर के अपना मुंह बंद नही रखते लगातार बोलते ही रहते हैं, जो आपके संपर्क में आता है। वह आपको अधिक सामान्य व्यक्ति समझता है। आपको पूर्णरूपेण अधिकाधिक मदद करता है। आपकी मित्रमंडली आपके लाभ के लिए धन का भुगतान भी करते हैं। अर्थात् मित्र से आपको आर्थिक लाभ होता है।

आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हैं कि आप में नेतृत्व की क्षमता विद्यमान है तथा आप एक अच्छे नेता के गुणों से पूर्ण हैं। आप अपनी योजना के संबंध में किसी अन्य की विचारों का कोई महत्व नहीं देतें, वास्तव में आप अपने ही विचारों और निर्णयों को सर्वोपरि समझते हैं। परंतु किसी-किसी विषय में आप भ्रमित होकर किसी अन्य उपाय को अपनाते हैं। परंतु आप बिना किसी बड़ी बाधाओं के भी पार कर लेते हैं। सामान्यतः आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा क्योंकि आप में पूर्ण आत्म शक्ति विद्यमान हैं, जिसके प्रभाव से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे। परंतु आप जब कोई जोखिम मोल लेंगे तब साधारण रूप से किसी प्रकार से घायल होने के प्रति सर्तकता बरतना होगा। विशेषतया दुर्घटना के कारण सिर में चोट न लगे, इसके लिए आपको पूर्णरूपेण सतर्क रहना चाहिए। क्योंकि यह दुर्घटना संभाव्य है। यदि आप सतर्क रहें तो संभावित दुर्घटना से सुरक्षित रहेंगे। क्योंकि आप कम से कम समय बचा कर भी स्वास्थ्य रक्षा के लिए

अत्यधिक उत्साहित एवं अभिलाषित रहते हैं। आपकी बुद्धि और शरीर किसी भी दबाव से स्थिर रहता है।

अतएव आपके लिए यह उचित है कि आप अपनी तनाव मुक्ति हेतु यथा संभव विश्राम प्राप्त कर यथेष्ठ शयन करें। अन्यथा आप नस की गडबड़ी अथवा मस्तिष्क संबंधी रोग से ग्रसित हो जाएंगे। आपके लिए यह पूर्व सूचना है कि आप स्वास्थ्य रक्षा के लिए सभी संभव उपाय करे अर्थात् सचेत रहें, तथा समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधी सलाह डॉक्टर से प्राप्त कर ही संयमित जीवन बिताएं। सामान्य स्वास्थ्य को उत्तम रखने के लिए आपको मद्य एवं मंसाहार से बच कर रहना चाहिए। आपको शाकाहारी भोजन का सेवन पर्याप्त मात्रा में करनी चाहिए। आप पर्याप्त मात्रा में धन प्राप्ति संबंधी वार्तालाप करने में विश्वास रखते हैं तथा धन प्राप्ति के सुअवसर प्राप्त करना चाहते हैं। आपको निम्नांकित निर्देशों का पालन करना चाहिए।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक से आप आकर्षित हैं। अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए अनुकूल नही है।

आपके लिए लाल, स्वर्णिम एवं पीला रंग भाग्यशाली प्रमाणित होगा।

Komal

आपके जन्मकालिक आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के द्वितीय चरण में मकर लग्न में वृषभ राशि के नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काण के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म प्रभाव से ऐसी संभावनाओं का सृजन हो रहा है कि आपका जीवन धन प्रसन्नता से युक्त फलदायी एवं प्रसन्नतम होगा। आप इन बातों में विश्वास रखती हो कि किसी भी प्रकार की प्रतियोगिता में सफल होने के लिए धीमी गति क्यों न हो। नियमित एवं लगनशीलता से युक्त हो, तो मनुष्य अवश्य सफल होता है। आप अपनी साहसिक प्रवृति के प्रति आशान्वित रह सकती हो। अतएव आप शेष कार्यों के बाद योजनानुरूप लक्ष्य तक पहुंचने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करती हो।

यदि आप ऐड़ी से चोटी तक पहुंचने के लिए उपयुक्त पथ पर चल रही हो, तो आप सर्वथा नाम, प्रसिद्धि एवं अतिरिक्त धन उपार्जित कर सकती हो। यदि आप गायन कला, गणित एवं ज्योतिष कला के प्रति रुचिवान बन कर सीखने के प्रति स्नेहशील रही तो आप प्रसिद्ध महिला बन कर किसी भी प्रकार की समस्याओं से निवृत्ति की राय दे सकती हो तथा समस्याओं का अन्वेषण करने की जमानत ले सकती हो। आपकी यह भी भूमिका रहती है कि आप अपनी इच्छानुसार उनके सहयोग के लिए अपने अतिरिक्त समय का उपयोग कर सकती है। आप सामाजिक कार्य में अपना बहुमूल्य समय का सदुपयोग करोगी। आप धीमी गति से अपने द्वारा संचालित सामाजिक कार्य में सफल हो सकती हो।

आपके जीवन का स्वर्णिम काल आपकी आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष के

अंतराल में प्रमाणित होगा जब आपकी स्थिति अच्छी, व्यवसाय हेतु उत्तम एवं भरपूर लाभ हेतु सौभाग्यशाली समय होगा।

आप अपनी प्रतिभा के अनुरूप व्यवसाय का चयन कर लाभ प्राप्ति हेतु प्रस्तुत होंगी। अतएव आपके लिए सम्मतियुक्त विचारणीय यह है कि अपनी इच्छा के अनुरूप विस्तृताकार उपव्यवसाय यथा कृषि कार्य, खनिज, कोयला, खनन कार्य, पेट्रोल, तेल का (डीलरशीप) वितरण कार्य। रेफ्रिजेरेटर एवं कूलर का कार्यादि कर सकती हैं।

आपका घरेलू जीवन फलता फूलता हुआ दृष्टिगत होगा। आपके पति सुंदर एवं कठिन श्रम करने वाले तथा आपके बच्चे आपको अंगीकृत करने वाले होंगे। आपका घर शांत एवं सुखद वातावरण से युक्त होगा।

आप अपने पारिवारिक सदस्यों के लिए अंतर्मुखी होंगी तथा स्पष्ट रूप से अपने परिवार के समक्ष आपकी प्रवृति स्नेहपूर्ण रहेगा। तथापि वे आपके समक्ष किसी प्रकार की गलती नहीं करेंगे। बल्कि वे विशुद्ध आत्मा से आपका सहयोग करेंगे।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य एकरूपता लिए हुआ अच्छा रहेगा। परंतु कुछ वर्षों के पश्चात् कतिपय रोगादि से आप प्रभावित हो सकते है, यथा अपाचन क्रिया, कफ, सर्दी, जुकाम एवं चर्म रोगादि खुजली, खाज, बेचैनी आदि रोग। इसके विरुद्ध आपको अच्छी प्रकार अपने घरेलू चिकित्सक से समय-समय पर विमर्श करना चाहिए। आप सर्वथा कुछ छोटे-छोटे शारीरिक दुर्घटना के प्रति सर्तक रहेंगी। इसलिए सावधानी पूर्वक चलना फिरना चढ़ना, उतरना अथवा सीढ़ी (जीने) पर चढ़ना-उतरना तथा ऊँची स्थान से छलांग लगाने की प्रवृति को बहिष्कृत करना होगा।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग भली प्रकार आपके अनुरूप है। परंतु आपके लिए रंग पीला एवं क्रीम रंग अव्यवहारणीय है।

आपके लिए वास्तविक रूप से अनुकूल अंक 6, 8 एवं 9 अंक भाग्यशाली है। परंतु अंक 3 आपके लिए निश्चित रूप से परेशानी उत्पन्न कराने वाला है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार का दिन महत्वपूर्ण कार्य संपादन हेतु सर्वथा अनुकूल है। परंतु रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं हानिकारक है। अतएव इन दिनों का त्याग करें।

अंक ज्योतिष फल

Rajat

आपका जन्म दिनांक 26 है। दो और छः के योग से आपका मूलांक आठ होता है। मूलांक 8 का स्वामी शनि ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा अंक छः का शुक्र है। अतः आपके जीवन में अंक दो, छः एवं आठ के स्वामी ग्रह चन्द्र, शुक्र एवं शनि का विशेष प्रभाव दृष्टिगोचर होगा।

मूलांक 8 के स्वामी शनि ग्रह के प्रभाव से आपकी उन्नति धीरे-धीरे होगी। आपके प्रत्येक कार्य में रुकावटें अवश्य आयेंगी। लेकिन आप इनसे बिना विचलित हुए अपनी सफलता का मार्ग स्वयं के कठिन परिश्रम तथा बुद्धि विवेक एवं ज्ञान के द्वारा प्राप्त करेंगे। आलस्य आपके अन्दर अवगुण के रूप में रहेगा। इसी कारण कई बार आप सफलता प्राप्त करते-करते ऐसी चूक कर देंगे जिसका बाद में पछतावा होगा। शनिग्रह के प्रभाव से आप अपने जीवन मे कई महत्वपूर्ण एवं स्थायी उपलब्धियां अर्जित करेंगे। जिससे आपका सामाजिक स्तर ऊँचा होगा और आपको समाज में नाम, यश तथा कीर्ति प्राप्त होगी। आपके कार्य करने का ढ़ंग कुछ इस प्रकार का रहेगा कि आप अपने विरोधी, आलोचक स्वयं तैयार करेंगे।

आप दिखावा पसन्द नहीं करेंगे। इससे आपको रूखा, शुष्क एवं कठोर हृदय व्यक्ति समझा जायेगा। जबकि आप अन्दर से भावुक एवं दयालु हृदय के होंगे। आपकी रुचि अपने काम तक ही सीमित रहेगी एवं कठिन से कठिन कार्य को भी आप अंजाम देने की क्षमता रखेंगे। इससे आपके सहयोगी आपके आलोचक बन जायेंगे। आप श्रमशील, त्यागी व्यक्ति के रूप में जाने जायेंगे एवं आपकी प्रगति में आने वाली रुकावटों को आप आपनी इच्छा शक्ति के बलबूते दूर करने में सफल रहेंगे।

अंक दो का स्वामी चन्द्र आपको विभिन्न क्षेत्रों में असफलता देगा लेकिन अंक छः का स्वामी शुक्र आपके अन्दर कलात्मक भाव की वृद्धि करेगा जो कि आपकी कार्य शैली में दृष्टिगोचर होगा।

Komal

आपका जन्म दिनांक 15 है। एक एवं पाँच के योग से आपका मूलांक 6 होता है। मूलांक 6 का अधिष्ठाता शुक्र है एवं एक का सूर्य तथा पाँच का बुध है। आपके जीवन में इन तीनों ग्रहों की काफी भूमिका रहेगी। मूलांक 6 के प्रभाव से आप एक सौन्दर्य प्रेमी, सुरुचिपूर्ण व्यवहार करने वाली, जनता के मध्य लोकप्रिय महिला होंगी। ललित कलाओं में आपकी रुचि रहेगी एवं गान, वाद्य, गीत संगीत सुनने का शौक रहेगा।

आप प्रत्येक कार्य में स्वच्छता पसन्द करेंगी। आपके अन्दर दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करने की शक्ति रहेगी एवं उन्हें अपना बना लेने की कला रहेगी। सूर्य के प्रभाव से आप जीवन में सदैव प्रकाशित रहना चाहेंगी। परोपकार में हिचकेंगी नहीं तथा अपने कार्य को

निष्पक्ष एवं ईमानदारी से करेंगी। बुध के प्रभाव से आपमें वाणी चातुर्य का विकास होगा। आप सोच-समझकर वाणी व्यवहार करेंगी। तर्क शक्ति अच्छी होगी तथा दूसरों को अपनी बात सहज में समझाने की सामर्थ्य रहेगी।

आपकी समाज सेवा के कार्यों में रुचि रहेगी। दान पुण्य के कार्य आपके हाथ से होंगे। विद्याध्यन आपके लिये हितकर है एवं अपने बुद्धि चातुर्य, विद्या बुद्धि के सहारे अपने जीवन में प्रारम्भ से ही सफलता अर्जित करेंगी। एकाध असफलताऐं भी मिलेंगी। लेकिन इनसे आप बिना विचलित हुये अपने जीवन के लक्ष्य पर पहुंचेगी तथा घर परिवार, समाज में नाम कमायेंगी।

Rajat

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओ के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगे। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगे। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण के शौकीन रहेंगे। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रहे हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनते हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।

Komal

भाग्यांक नो का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। यह ग्रह मण्डल का सेनापति है। रक्त वर्ण का क्षत्रियोचित गुणों का है। इसके प्रभाव से आप स्वतंत्ररूप से रोजगार- व्यापार के क्षेत्र में तरक्की करेंगी। साहस भरे कार्यों से आपका भाग्योदय होगा। आप ऐसे क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त करेंगी, जहाँ आपकी हुकूमत चलती रहे। मुखिया, नायक, अगुआ के रूप में कार्य करना आपको हमेशा अच्छा लगेगा।

रोजगार के क्षेत्र में आप अपनी स्वतंत्र विचारधारा के द्वारा महत्वपूर्ण उन्नति को प्राप्त करेंगी। यांत्रिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। एकाधिकार पूर्ण कार्य क्षेत्र आपकी प्रथम पसन्द रहेंगे और आपकी कोशिश रहेगी कि आपने जो कार्यक्षेत्र अपने जीवन यापन हेतु चुना है उसमें किसी का भी हस्तक्षेप न हो । विरोध, बिना वजह का हस्तक्षेप आप बर्दास्त नहीं कर पायेंगी। यांत्रिकी कार्य, चिकित्सा, सेना, संगठन, सामाजिक क्रिया कलापों में आप गहरी रुचि प्रदर्शित करेंगी।